

आर्या समाज

125

ARCHIVES

ॐ नमः श्रीवज्रसत्ताय ॥ ॐ नमो बुद्धाय ॥ नमो धर्माय ॥ नमः संघाय ॥
 ॐ स्वस्ति ॥ ॐ संभर २ विमलसान्महाजवङ्ग ॥ ॐ सुभर २ विमनस्करमहाज
 वङ्ग ॥ नमः त्रधा १ वाचनेन न्यायामन्त्रवोतसांलकछि १ बोनाप्रगान ॥
 ॐ संभर २ विमनसान्महाजभये स्वाहा ॥ धालछि १ बोनाधर्मदानयानसा
 लकछि १ विषापुण्य ॥ ॐ स्मर २ विमनस्करमहाजवङ्ग ॥ धाल १ बोनाध

मदनपातसालकछिप्रमारावधेनुयावयी॥ ॐ भरसोभरनिम्नस
नमहाजभयेद्रुद्र॥ वावोनाथानयानसारकछिप्रमारावोनाथ॥ ॥
ॐ धरेभन्धरे स्वाहा॥ वावोना पूजायानसांश्वयापु रण्यारख्यानयायम
ॐ॥ ॐ नमः सर्वतभागत हृदयाधनुगंते॥ ॐ कुरुंगिनी स्वाहा॥ वोनानकोटि
जन्मसयानापापनाश॥ ॐ नमो महारत्नचन्द्रालंकारसर्वज्ञमित्रनेत्र

भकेतुराजाय नृभागताय॥ वोनायापु रण्यनद्वलछिजससचक्रवर्तिराजाय
ॐ॥ ॐ नमः चन्द्रमण्डलविशोदयमानतथागताय॥ वोनसाननातनिर्वा
रापदलाय॥ ॐ नमः सर्वधर्मसंपूर्ण प्रतिभासनविमलदिन्येश्वर
तेजसंभवप्रभकेतुराजाय नृभागतायार्हते सम्यक्तुङ्गाय॥ इह जन्मान
हलोकसभिगुणलसजन्मजुयू॥ ॐ नमो अक्षोभ्यः तथागताय॥ श्वया

पुराण अकर्म अकृति अधर्म सर्वपापनाश अकनिष्ठाया श्रीवृद्धशेखरस
मणिपर्वतसज्जन्मजुषीत ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते शाक्यमुनिनथागताय ॥ बोना
या पुराणनकोटिजन्मसयानापापनाश ॥ ११ ॥ ॐ नमो तेजसमन्तअभवासविजित
संग्रामश्रियेतथागताय ॥ बोनाया पुराणचक्रुल्लिखानापापनाश ॥ ॐ नमो कन्नश्री
शासनाद्विरविपसासतसहस्रपारिमितासर्वसंपूर्णतथागताय ॥ बोनाया पुराण

वृद्धभाषितदको बोनाया पुराणउत्तिधर्मलाय ॥ ॐ नमो चन्द्रासनसिंहविकी
तेतयधर्मपारिणविजयधरतथागताय ॥ ॐ नमो बोनाया पुराणनंपंचमहापापअकृति
दकोपापछेदनजुय ॥ ॐ नमो भगवते महारत्नधर्मसर्वसंपूर्णतथागताया हते
सम्पत्संवृक्षाय ॥ ॐ नमो बोनाया पुराणनगसागन्धापापनाश ॥ ॐ नमो भगवते म
हारत्नधर्मानिकिरणप्रभकेतुनथागताया हते सम्पत्संवृक्षाय ॥ बोनाया पुराणनअ

सारसंपत्तिदायाकयागुपापनाश॥ ॐ नमो भगवते धूपपुष्पअभिवल्लकेतुरा
जायतथागताया हेते सम्पत्संवुद्धाय ध्वयापुण्यनअभिध्याखस्त्रीकीडाया नापा
पनाश॥ ॐ नमो भगवते नवनीनां सम्पत्संवुद्धकोटीनां बुद्धशतसहस्राणां गं
गानदीवालुकानां तथागतकोटिनां ध्ववोनायापुण्यहिंसायानापापनाश॥
ॐ नमो भगवते महारत्नउल्लीषने न तथागताया हेते सम्पत्संवुद्धाय ध्वकवोनानं

तव धनकुलसज्जनजुयु॥ ॐ नमो भगवते धर्मसमुद्रसर्वसंघधर तथागताया हे
ते सम्पत्संवुद्धाय ध्वकवोनानं तव धनकुलसज्जनजुयु गुरुद्रोहहृष्यायानापा
पनाश॥ ॐ नमो भगवते आयुकरधर तथागताया हेते सम्पत्संवुद्धाय ध्वकवो
नायापुण्यनअचेतजुयुवले सुचेतजुयु॥ ॐ नमो भगवते सर्वसर्वतथागतविहर
तिस्मिन् इन्द्रकेतुध्वजश्रीय तथागताया हेते सम्पत्संवुद्धाय ॐ नमो ॐ आः त्रिशर

शाप्रजस्यात्मकत्रिसायनुक्त्रधारसुधीकल्पभद्रसमुद्रेणममवानांकुरुसर्वसिद्धि
प्रयच्छतुं फट् ॥ श्रीगुस्त्याधारणी ॥ पापनाश ॥ ॐ वज्रकोटमहेश्रीहेरुकुं
फट् ॥ ॐ नुरु ॥ ॐ भो ॥ ॐ फट् ॥ ॐ आः क्रोन्नेकयमांतकहनमथभक्ष ॥ ॐ फट् ॥ ॐ पशान्त
ककृत् महकोटह्यग्रीवकुंलु ॥ ॐ फट् ॥ ॐ वज्रकिलिकिलालकीलयसर्वविघ्न
त्वं ॥ ॐ फट् ॥ ॐ गुह्यज्ञानश्रीहेरुकआज्ञाकोटिश्वरिस्त्वं ममयोगिनी नुरु ॥ ॐ भो ॥ ॐ फट्

८ ॥ ॐ वज्रवन्धसर्वउष्ट्र ॥ ॐ फट् ॥ ॐ वज्रसर्वउष्ट्र ॥ ॐ फट् ॥ ॐ वज्रमहागुरुसर्व
सिद्धि ॥ ॐ फट् ॥ ॐ ह्रीं पशान्तककृत् वज्र कोटह्यग्रीवकुंलु ॥ ॐ फट् ॥ कामदेवीम
न्त्रकामक्रीडायानापापनाश ॥ ॐ धउह्रीषधानुमिति स्वाहा ॥ त्रैतथागतधानु
विभूषिते अधिष्ठिते ॥ ॐ फट् ॥ ॐ फट् ॥ स्वाहा ॥ धर्मत्रयोनायापुण्यआकाशचालिनगा
यम ॥ ॐ आः भगवान्वैरोचन ॥ ॐ आ ॥ अशोभः ॥ ॐ ओं आः रत्नसंभव ॥ ॐ

ॐ आः अमिताभ ऊँ ॐ आः अमोघसिद्धि ऊँ ॥ पंच बुद्ध बोधिसत्व मन्त्र ॥ सर्वभयना
श ॥ ॐ आः बुद्धविपश्ची ऊँ ॐ आः शिखी ऊँ ॐ आः विश्वभुव ऊँ ॐ आः ऋकुच्छ
न्द ऊँ ॐ आः कनकमुनी ऊँ ॐ आः कारुपप ऊँ ॐ आः शाक्यमुनि ऊँ ॥ सप्त बुद्ध म
न्त्र सर्वमोहमाया छिदन ॥ ॐ आः आर्यावलोकितेश्वर ऊँ ॐ आः आर्यमैत्रीये
ऊँ ॐ आः आकाशगर्भ ऊँ ॐ आः समन्तभद्र ऊँ ॐ आः वज्रपाणि ऊँ ॐ आः मंजु

श्रीकुमारभूते ऊँ ॐ आः सर्वगणिकर्षाविष्कम्भिनी ऊँ ॐ आः क्षितिगर्भ ऊँ ॐ अष्टौ बो
धिसत्व मन्त्र ॥ ॐ नमो शाक्यमुनये नथागताया हते सम्पक्से बुद्धाय ॥ तथा
ॐ मुनिश्च महामुनि शाक्यमुनये स्वाहा ॥ उत्तमश्रावक शाक्यमुनि हृदय ॥ ॐ नमो
भगवते अशोभाय नथागताया हते सम्पक्से बुद्धाय ॥ तथा ॐ कंकनिश्चोचनि
त्रोचनिश्चोचनिश्चोचनि हत हत ॥ सर्वकर्मापहं पराजिते सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॥ श्री

धर्मनाथ असोम्याधारणी ॥ ॐ नमो भगवते भैषज्यगुरु भैषज्यभूय प्रभकेतुरा
जायत भागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय ॥ तथ्या ॥ भैषज्यमहानैषज्यराजसमुद्रते स्वा
हा ॥ महामैषज्यधारणी ॥ ॐ नमो भगवते अपरिमितायुर्त्तानसुविनिश्चित ॥ तेजो
राजायत भागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय ॥ तथ्या ॥ ॐ पुराणमहापुराण अपरिमितपुराण
अपरिमितायु पुराणज्ञानसंभारोपचिन्ते ॥ ॐ सर्वसंस्कारपरिभुद्धधर्मते गगनसमुद्र

ते स्वभावविभुद्धे महानयपरिवारे स्वाहा ॥ भगवान अष्टोत्तरशनेनाम ॥ ॐ तथ्या
भैषज्यमहामैषज्यराजसमुद्रते स्वाहा ॥ वासलवियवेतसध्वमन्त्रवोनाविय ॥
ॐ मशिपमेडं ॥ ॐ वागीश्वरोमूं ॥ ॐ वज्रपाणि ॥ ॐ अरपंचतवी ॥ चोलुखासतयपि
शान्चउपसर्गि रोगअकालभयनाश ॥ ॐ नमो रत्नत्रयाय ॥ नमो भगवते शाक्यमुन
येत भागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय तथ्या ॥ अजिते ॥ अपराजिते ॥ अजितंजय हरामै

त्री अवलोकिते कर रम हा समय सिद्धि भर २ महा बोधि मण्डा विजय ॥ स्मर १ अस्मकं स
मय बोधि मण्डा बोधि स्वाहा ॥ ॐ मोहि २ महा मोहि स्वाहा ॥ ॐ मुनि २ महामुनि स्मर स्वाहा ॥
ध्वमन्त्र बोना जु वसा हू सपोत नता को प्राणि उद्धार मोक्ष जुयि ॥ ॐ वाक्पे दंतमः
ॐ चर उमहा रोष राई फूट ॥ ॐ तारे तु तारे तु रे स्वाहा ॥ ॐ मारी चै स्वाहा ॥ ॐ पिशाचि
परांश वरि सर्वे चर प्रशमन ये स्वाहा ॥ ॐ पद्मो ह्रीं ष विमले ईं फूट ॥ ध्वमन्त्र बोना लु

खाफु ससंतय भो लो य उपसर्गा वयम उ ॥ ॐ मरिा धरि वज्रिणी महा प्रति से ईं
फूट स्वाहा ॥ ॐ अमृते अमृत वरे वर २ प्रवर विभु दे ईं फूट फूट स्वाहा ॥ ॐ भर १ सं
भर १ इन्द्रिय वल विशोधनिरुस्त चले ईं फूट फूट स्वाहा ॥ ध्वमन्त्र बोना न भूत प्रेत
सजन्म जुय मम्वात ॥ ॐ नमो मंजु श्रिये नमः ॥ सुश्रिये नमः ॥ उत्तम श्रिये नमः ॥
बोना दंड वत यात सा छपो लया त सां दल छिया ना प्रमारा पुराप ॥ ॐ नमो भ

गवतेरत्नकेगुराजायतथागतायाहेतेसम्यक्संबुद्धाय॥ जयथा॥ ॐ रत्नेशमहारत्ने
रत्नविजयेस्वाहा॥ ॐ नमो दशदिक्त्रिकातसर्वरत्नत्रयाय प्रदक्ष सर्वपापविशोध
निस्वाहा॥ ॐ मन्त्रवोनावदेवचाकरउरसाह्वाकउरसां हलछिचाकउलायापुष्प
लाक॥ ॐ विपुलगर्भे मरिणप्रभेतथागतनिर्देशने मरिणसुप्रभविमलसगनग
म्भिरैर्ज्ज्वलज्वलबुद्धविवर्द्धनिविलोकिनेगुह्याधिष्ठितेगर्भेस्वाहा॥ ॐ मन्त्रवो

नानअष्टरत्नलानन्दयु॥ ॐ मरिणकज्जैर्ज्ज्वलज्वलबुद्धविवर्द्धनिविलोकिनेगुह्याधिष्ठितेगर्भेस्वाहा॥ ॐ मरिणधनिर्ज्ज
वांछाश्चिस्त्रयु॥ ॐ खेचलज्जैर्ज्ज्वलज्वलबुद्धविवर्द्धनिविलोकिनेगुह्याधिष्ठितेगर्भेस्वाहा॥ ॐ नमो भगवते प्रज्ञापार
मितायै॥ ॐ नतान्नतइतिशिमिलिसिमिलिशिभितयने नमो भगवते प्रदत्तंप्रति
श्रुतिरिमिरिति॥ श्रुतिरि॥ श्रुतिरि॥ भूयेस्वाहा॥ ॐ मन्त्रवोनावकोटिकत्रयप्र
ज्ञापारमितावोनायापुष्पजति॥ ॐ अधिष्ठितेखेरज्जैर्ज्ज्वलज्वलबुद्धविवर्द्धनिविलोकिनेगुह्याधिष्ठितेगर्भेस्वाहा॥ ॐ मन्त्रवो

मंत्र॥ इन्द्रवज्राभारपावनास्पृज्यवेरसधारियातलसस्वानपुयावनेन्दुयासिक
किरपतंगत्रयोदशभुवनसज्जनजुयुप्रत्नेकबुद्धधायकेदयि॥ तद्यथा॥ ॐ श्रीः
धर्मंजुप्रियाकिरणाभास॥ सर्वपापनाश॥ ॐ इहोभुद्धेविहोभुद्धेभग्नित्विनल
भुद्धेरंअअस्वाहा॥ ॐ विरस्विस्वाहा॥ ध्यापुण्यमेवनमस्कुपुयानानकुसांलग
पजुश्मउसर्वबाधिरकोमोचन॥ ॐ असितातपत्रेअपरजितेसर्वग्रहंत्रा

शयश्हनश्हीश्ऊंश्फट्स्वाहा॥ महाप्रत्नगिरानामधारणी॥ ॐ नमोवरण्डको
डायकुलुश्निष्ठश्चश्हनश्अमृतेऊंश्फट्स्वाहा॥ वज्रमहायोगधारणी॥
ॐ तारेतुनारेनुमायुपुण्यज्ञानपुष्टिंकुसुयेस्वाहा॥ सप्तरोचनिताराधारणी॥
ॐ नमोसर्वतथागतवलोकितेॐ सम्भरेऊं॥ महाधूपमंत्र॥ प्रकाशयायमने॥
ॐ नमःवज्रसारत्रधर्मतेतथागतायाहतेसम्भक्तं बुद्धाय॥ ॐ वज्रेश्महावज्रेमहा

नेनवज्रेमहाविश्वज्रेमहासोविचित्रवज्रेमहासुवोषिमरुतापकेसमक्रमनवज्रेस
र्वकर्मावरणाविशोधनेनवज्रेस्वाहा॥ **वोना पूजायातसाव्याख्यानमउ॥ ॥ॐ नमः**
समस्तबुद्धानां असमपदधर्मधातुकर्म्यगन्ति शतानां सर्वथा॥ **अं खं अं अं सं मं दं**
हं रं वं वं स्वाहा॥ रं स्वाहा॥ हं स्वाहा॥ भाववैरोचनधारणी॥ ॥ॐ नमः॥
सर्वतथागतयोगिभरुं **अनुत्तरमहायोगहृदय॥ ॥ॐ नमो भगवते सर्व**

उर्गतिपरिशोधनराजाय तथागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय॥ तथथा॥ **ॐ शोध**
नेर विशोधनेर सर्वपापविशोधने शुद्धे विपुद्धे सर्वकर्मावरणाविशोधने न हं
फट्॥ **पंचविंशतिवैरोचनधारणी॥ ॥ॐ अत्रा सर्वतथागतहृदय हं ॥ॐ**
हं भगवान् ज्ञानमूर्तिर्वागीश्वर महावाच सर्वधर्मगंगानाममलसुपरिशुद्ध
धर्मधातुज्ञानगर्भआः॥ **मंत्रराजनामसंगीतिधारणी॥ ॥ॐ वज्रसत्त्वसमय**

मनुपालयवज्रसत्त्वनेनोप्रतिष्ठददोमेभवशाखतमेभवःसुपोषोमेभवअ
नुरक्तोमेभवसर्वसिद्धिमेप्रयच्छ सर्वकर्मसुचमेनिज्जिभियंक्रुद्धं हः हः
हः हः हो भगवन् वज्रमामेमुंचवज्रिभवमहासमयसत्त्वआः ॥ भगवान् शता
क्षर ॥ ॐ मुनिश्महामुनये स्वाहा ॥ ॐ नरिणामे उ ॥ ॐ चरणमहारोषरा उ
फ ॥ ॐ तारेनुतारेतुरे स्वाहा ॥ ॐ मंत्रवृद्धाकारजुस्पति सुमरणायाय ॥ ॥

ॐ नमो रत्नत्रयाय ॥ ॐ नम आर्यज्ञानसागरवैरोचनबृहज्जायंतपाग
ताया हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ ॐ नमः सर्वतथागतेभ्य अहंते सम्यक्संबुद्धेभ्य
नमः श्री आर्यावलोकितेश्वराय बोधिसत्वाय महासत्वाय महाकारुणिका
य ॥ नमः ॥ ॐ धरशधिरिधुर २ ३ नेवनेवले २ प्रवले २ कुसुमे २ वरे २ शलि
शिररिति ज्वलमपनये स्वाहा ॥ एकदशति लोके धरधारणी ॥ ॐ आव

ॐ वृक ऊँ ॥ वज्र वृक आर्य मन्त्र राज हृदय ॥ ॐ आत्म ऊँ ॥ मंजु श्री वज्र
हृदय ॥ ॐ आः मणि पद्मे ऊँ ॥ ॐ ह्रीं शिवि कृतानन ऊँ फू ॥ ॐ यमान्न ऊँ फू
॥ ॐ यमराजा समे जमे दोरुणा यो दय यो निरक्ष निरमये ऊँ र फू ॥ पंचनि
शक्ति वज्र भैरव हृदय ॥ ॐ श्री वज्र देहे सु सु क ऊँ फू ॥ डाकिनी जाल स
म्बर स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं हू ऊँ ऊँ फू ॥ ॐ वज्र वैरोचनीये ऊँ ऊँ फू ॥ स्वाहा ॥ ॐ सर्व

वृद्ध डाकिनीये वज्र वर्णीनीये ऊँ ऊँ फू ॥ स्वाहा ॥ चक्र सम्वर शक्ति हृदय ॥
ॐ ॐ ॐ सर्व वृद्ध डाकिनीये वज्र वर्णीनीये वज्र वैरोचनीये ऊँ ऊँ ऊँ फू ॥ फू
॥ स्वाहा ॥ आकाश मुखधारिणी ॥ ॐ आः ऊँ ह्रीं ॐ मणि पद्मे ऊँ ॥ ॐ वज्र वा
राही वृद्ध डाकिनीये वज्र वैरोचनीये ऊँ फू ॥ कसूरुणा मय शक्ति वज्र वाराही
यामन्त्र ॥ ॐ घुर्म घुये नमः स्वाहा ॥ ॐ हरिनी सरस्व ह्रीं य ऊँ न ॥ योग योगि

तीहृदय॥ ॐ आः ऊं हो हाहा ॐ ह्रीं ह्रीं ॥
 कालचक्रहूँ हूँ फट् ॐ विश्वमाता ऊं ऊं फट् ॥
 वेशसर्वदृष्टान ह्रीं स्वाहा ॐ देवाविचुपव ॥
 वज्रकर्त्तिरीह वज्रये ऊं ऊं ऊं फट् स्वाहा ॐ ॥
 ॐ धर धार यर मर्दय रवज्रधृक् फट् स्वाहा ॐ शाश्वतपरशाश्वत एहेहिनि

तजिक् फट् स्वाहा ॐ वज्रसूर्यतमोविधमनसमयस्त्वं अहं रत्नधृक् स्वाहा
 ॐ वज्रधर्मसमयस्त्वं ऊर्गुर अवलोकय फट् स्वाहा ॐ फफट्टिहिहि प्रज्ञाधृक्
 स्वाहा ॐ ऊं हूँ स्वाहा ॐ हूँ स्वाहा ॐ आः ह्रीं ऊं ॐ बुद्धडाकिनी आ ह्रीं हूँ ॥ भ
 गवान्महामायानामधारणी ॐ ह्रीं ह्रीं विकृताननहूँ हूँ फट् फट् स्वाहा ॥ यम
 राजायाहृदय ॥ ॐ गरखंजिरखं विमनामे उच्यमहं कोठ ऊं फट् ॥ हरति

मंत्र॥ ॥ॐ प्रसोददुसोदुर्नसोदनिंगोलखोदखरजकंशंतरफुट्स्वाहा॥
मंजुश्रीयाकिरराभासयामंत्र॥ ॥ॐ अकसमरवशदलशमलयेफुट्॥
सिंहमुखदृष्टिनामज्ञानडाकिनीयामूलमन्त्र॥ ॥ॐ आः ऊँ॥ छितुरुशिशि
शीहूकंचत्रिसदवदफलभयनदवत्सर्वमालयवदफुट्ऊँ॥
योजनः आकाशचारिभयनाशजुयु॥ ॥ॐ ज्ञानडाकिनीअमरानिजी॥

बान्तियेस्वाहा॥ ॐ भोः नक्ष्त्राभोः रक्वोः खररकंदमो॥ रक्वोअच्युतवर्ण
भो॥ रलु२ हूँ भोः हूँ ॥ ॐ महारजपञ्चहूँ फुट् ॥ ॐ वज्रमहारशास्त्रयवि
घ्नविनायक ऊँ २ फुट् ॥ ॐ कालरूप ऊँ फुट् ॥ ॐ चामुण्डि हूँ फुट् ॥ ॐ महकाला
य हूँ फुट् ॥ ॐ महाकालविकालराजित्रौभिनीचरिणो रक्षसी शृंगली दे
वी हूँ भो हूँ ॥ ॐ प्रणपप्रः शिरूपुरुषोहित सर्वशत्रुं मालय ऊँ फुट् ॥ ॐ

कोयमज्वलरं प्रतिदेवी हूं स्त्रोक्षय म्रजं सर्वशत्रुं मालयवदफट् स्वाहा ॥
ॐ महायशान्नित्रिआर्यजल ऊं भो ऊं ॥ ॐ बिलिनिलि ऊं ॥ ॐ मिलिमिलि ऊं ॥
ॐ धनध ऊं ॥ ॐ वै स्वाहा ॥ ॐ वैश्रवणाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ जमलजनेन्द्राय स्वा
हा ॥ ॐ पूर्णभद्राय स्वाहा ॥ ॐ मारिभद्राय स्वाहा ॥ ॐ कुबेराय स्वाहा ॥ ॐ सं
प्रज्ञानाय स्वाहा ॥ ॐ गुह्यस्थानाय स्वाहा ॥ ॐ पान्थियशये स्वाहा ॥ ॐ चिविक

एलिये स्वाहा ॥ ॐ हूं श्रीया देवा कालिमहाकालि ऊं भो फट् ॥ ॥ शुलिधर्म
पारदेवतायामंत्र ॥ ॥ ॐ नमः समन्तवृद्धानां आविद्यात रूपिणी ॥ ॐ नम
ब्रवोना आखरसयी ॥ ॥ ॐ नमो भगवते अष्ट सहस्रिकाहा ॥ धर्मशेसेनि
सर्वकार्यशरीरतमे धर्म ॥ नमः ॥ ह्रम हस्मिति नय विजय धधरिणी प्रज्ञा
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते पंचविंशति

प्रज्ञापारमिताय नमः ॥ तद्यथा ॥ ॐ प्रज्ञेऽमहाप्रज्ञे सर्वभरे प्रज्ञा सर्वज्ञानदन्तरे प्रज्ञा
प्रज्ञे ससकरोसिकलेसिकसिति भुतुरकम्भरभुधुरसरधरचलरगर्जरगर्ज
तिफुडे स्वाहा ॥ धर्ममंत्रवो नानपंचविंशति प्रज्ञापारमितावो नातिपुण्य ॥
ॐ नमो भगवते अष्टसहस्रिका प्रज्ञापारमिताय ॥ ॐ मुनेऽमहामुनये स्वाहा
ॐ प्रज्ञापारमिताये स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते सर्वतथागतहृदयागते ॥ ॐ

कुरुंगिमी स्वाहा ॥ ॐ नमो आर्यमंजुश्रीय नमः ॥ तद्यथा ॥ गतेऽपारंगते पारसंगते बोधि
स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते एकशरप्रज्ञापारमिताय अः ॥ ॐ नमः समन्तभुक्ता
यबोधिसत्वाय महासत्वाय महाकाशिकाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ नमो भरभरसत्वाय
स्वाहा ॥ शुपरिशुद्धतामधारणी ॥ पंचपापनाशाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते महार
त्नाग्निनेत्रप्रहस्रकेनुराजाय तथा गताया हिते सम्पत्तं बुद्धाय ॥ अकृतिं अध

मेयानापापनाश॥ ॥ ॐ नमो भगवते चन्द्रशरणा प्रजस्रात्मकवर्मपाशो
विजयभूषिततथागताया हते सम्पत्तं बुधाय॥ अमृत्पाखं हानाया पापनाश
ॐ नमो भगवते प्रहसन् विनयश्रीतसहस्रपारपितान् तथागताया हते सम्प
त्तं बुधाय॥ कामक्रीडालोभमोहमदमायादकोपापनाश॥ ॥ ॐ नमो भग
वते नवनवनीनां सम्पत्तं बुधाय॥ बुद्धभाषितवोनाया पुरापडति॥

ॐ नमो भगवते प्रहसन् वज्रसमन्ततथागताया हते सम्पत्तं बुधाय॥ ध्वयापु
रपवनजसरवकाया सहवर्मनोलना तथागतया काया हिरवका गुमामवौवप्रे
हितया तत्रासवियागु वासचोनजलगनुपेदिभृया संधनागु आखलचोस्यं
तया ह्युनागु पुरिपापत्रकर्मयानागु कल्पभद्रशहस्रतथागतपनिस्वनसुह
ष्टिस्वस्यं विज्यातसां धनेयानागु पापपुकेमजिवधकं॥ हनंशुगकल्पपापरुम

नकावश्चधारणीहृदयमन्त्र एकचिन्ताता नृपाध्यातसा गच्छजायासस
मिफुरिजुयिवेलसवायुनकयावमस्मजुवम् ॥ दशाकुशलपापपंचमहापा
पकायवाक्चिन्तनयानागुपापमोचनयायुधकउपगौचलसविज्जाकलम
हगुरुपद्मसंभवधर्मस्वामिनकलिस ॥ धर्मवक्त्रवर्गनायायधकंगुत्रया
स्यंतया ॥ ध्वपुस्तकमंजुश्रीधर्मस्वामिश्रीशाक्यमिशुनभक्तिभावनकास्थंतया

ॐ नमः श्रीगणेशाय
भगवान् राजगृहे विहर

स्वस्वाया श्रुतमेकस्मिन्समये

आभा सप्तकेशि

125

ABHA ARCHIVES